नव भारत
संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी

बच्चों के बदलते व्यवहार पर चिंता जगाती रिपोर्ट

आज के समय में मोबाइल और इंटरनेट बच्चों के विकास पर गहरा प्रभाव डाल रहे हैं, जो केवल ज्ञान के स्रोत भर नहीं रह गए, बल्कि बच्चों को वास्तविक दुनिया से दूर कर रहे हैं. यूनिवर्सिटी ऑफ मिशिगन की एक सर्वे रिपोर्ट के अनुसार लगभग 60 प्रतिशत माता-पिता बच्चे को शांति के लिए मोबाइल देते हैं, जिससे बच्चे 'रियल इंटरैक्शन' के बजाय 'वर्चुअल एक्सपीरियंस' में उलझ जाते हैं. इससे उनकी संवेदना, कल्पना और जिज्ञासा सीमित हो जाती है.

जिस प्रकार बच्चा खेल के मैदान में हार-जीत और गिरकर सीखता है, उसी प्रकार के वास्तविक अनुभवों से उसका मस्तिष्क विकसित होता है. लेकिन मोबाइल पर डिजिटल गेम खेलने से यह विकास रुक जाता है. बच्चे खेल में हारने से डरने लगते हैं और तनाव, चिड़चिड़ापन, आत्मविश्वास की कमी जैसी समस्याएं पैदा होती हैं. स्क्रीन्स के अधिक इस्तेमाल से बच्चों का ध्यान कम होता है, नींद खराब होती है और वे अकेलापन महसूस करते हैं, जो डिप्रेशन और एंग्जायटी के बीज बोता है. विश्व स्वास्थ्य संगठन भी छोटे बच्चों को एक घंटे से अधिक स्क्रीन टाइम न देने की सलाह देता है. मोबाइल रेडिएशन का भी बच्चों के मानसिक विकास पर नकारात्मक प्रभाव होता है. यह उनकी सोचने-समझने की क्षमता, ध्यान और नींद पर असर डालता है. गतिहीन जीवनशैली से शारीरिक विकास प्रभावित होता है, और बच्चों में संवाद और सामाजिक कौशलों का विकास रुक जाता है. बच्चे इस डिजिटल युग में सामाजिक बातचीत की जगह ऑनलाइन दुनिया में सीमित हो जाते हैं, जिससे वे सामाजिक अलगाव भी महसूस कर सकते हैं. यह स्थिति अब केवल भारत तक सीमित नहीं रही है. दुनिया के कई विकसित देश भी इस समस्या से जूझ रहे हैं. हाल ही में ऑस्ट्रेलिया सरकार ने बच्चों के बीच मोबाइल के बढ़ते उपयोग और उसके मानसिक प्रभावों को गंभीर मानते हुए स्कूलों में मोबाइल फोन के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया है. यह निर्णय इस चिंता के तहत लिया गया कि मोबाइल के अत्यधिक उपयोग से बच्चों में एकाग्रता घट रही है, सामाजिक कौशल कमजोर हो रहे हैं, और वे मानसिक रूप से तनावग्रस्त हो रहे हैं. फ्रांस और नीदरलैंड जैसे देशों ने भी इसी दिशा में कदम उठाए हैं, जहां 15 वर्ष से कम आयु के बच्चों को स्कूल परिसर में मोबाइल लाने की अनुमति नहीं है. इन निर्णयों ने वैश्विक स्तर पर यह संदेश दिया है कि बचपन को डिजिटल बंधन से मुक्त रखना अब नीति-निर्माताओं की प्राथमिकता बन चुकी है.

यह उदाहरण भारत के लिए भी प्रेरणादायक हैं. यहां भी नीति-निर्माताओं और शिक्षाविदों को इस दिशा में ठोस पहल करनी चाहिए, ताकि स्कूल और घर दोनों स्थानों पर बच्चों का वातावरण अधिक संवेदनशील, संवादमय और अनुभवात्मक बनाया जा सके. इस संकट के समाधान के लिए माता-पिता की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है. बच्चों के लिए मोबाइल को 'डिजिटल नैनी' न बनाएं, बल्कि उनके साथ अधिक संवाद करें, कहानियां सुनाएं, खेलें और रचनात्मक गतिविधियों में शामिल करें. बच्चों को यह सिखाना आवश्यक है कि दुनिया केवल टचस्क्रीन से नहीं, बल्कि हृदय, परिश्रम और अनुभव से चलती है. यदि इस ओर ध्यान नहीं दिया गया, तो आने वाले समय में बच्चे मानसिक रूप से तैयार नहीं होंगे और भविष्य को गंभीर संकट का सामना करना पड़ सकता है. इसलिए आवश्यक है कि माता-पिता, शिक्षक और समाज मिलकर बच्चों का समग्र विकास सुनिश्चित करें और उन्हें वास्तविक जीवन के अनुभवों से जोड़ें.

भारत अफगानिस्तान संबंध : नये युग की शुरुआत

प्रो. विवेकानंद तिवारी
अध्यक्ष, आम्बेडकर पीठ
एचपीयू, शिमला

> यह सर्वविदित तथ्य है कि भारत और अफगानिस्तान के रिश्ते अत्यंत लंबे समय से प्रगाढ़ रहे हैं और अफगानिस्तान के कठिन समय में भारत ने सदा उसकी सहायता की है. तालिबान शासन आने के बाद भी जब वहां पर विनाशकारी भूकंप आया तब भारत अफगान नागरिकों के साथ खड़ा रहा. अफगान विदेश मंत्री और भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर की मुलाकात के बाद अफगानिस्तान को 20 एम्बुलेंस देने के साथ ही वहां की आम जनता को बेहतर स्वास्थ्य सेवा देने के लिए भारत ने सहायता की घोषणा की है. यदि भारत अफगानिस्तान में अपना दूतावास खोलता है तो वह वहां से पाक खुफिया एजेंसी आईएसआई की गतिविधियों पर सूक्ष्म दृष्टि रख सकेगा. तालिबान शासन से मैत्री इसलिए भी महत्वपूर्ण हो गई है क्योंकि इस समय भारत के सभी पड़ोसी देश अस्थिरता का शिकार हैं ऐसे में सामरिक दृष्टिकोण से एक नया मार्ग खोलना अति आवश्यक हो गया है.

भारत का तालिबान के राज्य के साथ संपर्क, क्षेत्रीय भू-नीति में एक महत्वपूर्ण झलक शामिल है. विदेश मंत्री का भारत दौरा नई दिल्ली के प्रतीकात्मकता, सुरक्षा और स्मारकों की रक्षा के प्रति सांस्कृतिक दृष्टिकोण को दर्शाता है, क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखना, निवेशों की सुरक्षा करना और मानवों की पैरवी करने की आवश्यकता के बीच संतुलन स्थापित करना एक जटिल चुनौती पेश करता है, जो तेजी से अस्थिर और दक्षिण एशियाई परिदृश्य में भारत के सूक्ष्म और विवेकपूर्ण बाजार की क्षमता का भी परीक्षण करता है. अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री अमीर खान मुत्ताकी की यात्रा वर्ष 2021 के बाद से तालिबान के नेतृत्व वाली सरकार के साथ पहली प्रत्यक्ष राजनयिक संपर्क थी, जिसने संबंधों में मधुरता और बेहतर संवाद का संकेत दिया.

भारत और अफगानिस्तान राजनयिकों के आपसी आदान-प्रदान पर सहमत हुए, जिससे निरंतर राजनयिक संचार संभव हो सका. एक तकनीकी मिशन से एक पूर्ण दूतावास में परिवर्तन, राजनयिक उपस्थिति और आधिकारिक मान्यता को दृढ़ करने के भारत के उद्देश्य को दर्शाता है. दोनों देशों ने संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के प्रति सम्मान की पुष्टि की,अफगानिस्तान ने भारत के विरुद्ध अपने क्षेत्र के प्रयोग की अनुमति नहीं देने का वचन दिया, जो एक महत्त्वपूर्ण सुरक्षा आश्वासन है. दोनों सरकारें द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिये प्रतिबद्ध हैं, जिसका उद्देश्य राजनीतिक अनिश्चितताओं के बावजूद आर्थिक संबंधों को पुनर्जीवित करना है. दोनों पक्षों ने भारत-अफगानिस्तान हवाई माल ढुलाई गलियारे के शुभारंभ का स्वागत किया, जो दोनों देशों के बीच प्रत्यक्ष व्यापार एवं वाणिज्य को और बढ़ाएगा. भारत ने अस्पताल निर्माण और विस्तारित मानवीय सहायता सहित अवसंरचना परियोजनाओं की घोषणा की, जो सॉफ्ट पावर एवं विकासात्मक कूटनीति को दर्शाता है. अंतरराष्ट्रीय सम्बन्धों में कोई स्थाई मित्र या शत्रु नहीं होता, सभी राष्ट्र समय और परिस्थितियों के अनुसार पारस्परिक व्यवहार करते हैं. इस समय भारत के लिए सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण अफगानिस्तान में तालिबान का शासन है. तालिबान की पहचान आतंकी संगठन की है किन्तु अफगानिस्तान की तालिबान सरकार अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त करने के लिए वैश्विक जगत से संवाद स्थापित कर रही है. अभी तक तालिबान सरकार को केवल रूस ने ही मान्यता दी है. इस बीच अफगानिस्तान के तालिबान विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी सात दिन की भारत यात्रा पर आए हैं यद्यपि भारत ने अभी तक तालिबान सरकार को मान्यता नहीं दी है और वह काफी फूंक - फूंक कर कदम रख रहा है.

भारत में मुत्ताकी के अनेक कार्यक्रम हो रहे हैं. वह उप्र में मुसलमानों की संस्था दारुल उलूम देवबंद गए हैं, उनकी दो पत्रकार वार्ताएं भी हो चुकी हैं जिसमें पहली पत्रकार वार्ता में महिला पत्रकारो को प्रवेश ण मिलने के कारण विवादों आ गई जिससे अफगानी विदेश मंत्री को दूसरी पत्रकार बुलानी पड़ी जिसमें महिला पत्रकार भी आमंत्रित थीं. अफगान विदेश मंत्री की इस यात्रा से भारत ने दक्षिण एशिया में पाकिस्तान के विरुद्ध अपना एक नया समर्थक बनाया है. मुत्ताकी की भारत यात्रा से भारत ने एक कूटनीतिक बढ़त यह प्राप्त कर ली है संयुक्त बयान में अफगानिस्तान ने अप्रैल में जम्मू -कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा करते हुए भारत की जनता व सरकार के प्रति संवेदना व एकजुटता व्यक्त की है.

भारत और अफगानिस्तान के बयान के अनुसार दोनो पक्षों ने क्षेत्रीय देशों से उत्पन्न सभी आतंकवादी कृत्यो की स्पष्ट रूप से निंदा की और क्षेत्र में शांति स्थिरता एवं आपसी विश्वास को बढ़ावा देने के महत्व पर बल दिया गया है. अफगान विदेश मंत्री ने जम्मू कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग बताया जिससे पाकिस्तान को इतनी चोट पहुंची कि उसने अफगानिस्तान पर हमला कर दिया फिर अफगानिस्तान ने करते हुए पाकिस्तान के 58 सैनिकों को मौत के घाट उतार दिया और उनकी कई चौकियों पर कब्जा कर लिया. विदेश मंत्री एस. जयशंकर और अफगान विदेश मंत्री मुत्ताकी की मुलाकात के बाद बयान जारी किया गया कि भारत और अफगानिस्तान के रिश्ते सदियों पुराने हैं तथा इन संबंधों को और मजबूत किया जाएगा.

मालवा- निमाड़ की डायरी

देवास जिले से मिल सकता है नया मंत्री!

संजय व्यास

भाजपा की प्रदेश कार्यकारिणी गठन के बाद अब मालवा-निमाड़ में संभावित मंत्री मंडल विस्तार पर नेताओं की नजर टिकी है. बिहार चुनाव पश्चात मोहन सरकार का मंत्री मंडल फेरबदल व विस्तार होने की चर्चा है. विगत कुछ माहों में कुछ मंत्री अपने बड़बोलेपन के कारण विपक्षियों के निशाने पर रहे. संघ की भी इन नेताओं पर निगाह बनी हुई है. हो सकता है आने वाले समय में विवादास्पद मंत्रियों की घर वापसी कर दी जाए या महत्वपूर्ण मंत्रालय छीन लिया जाए. ऐसे में नए मंत्री के लिए देवास का नंबर लग सकता है. मालवा जिसमें इंदौर देवास उज्जैन रतलाम शाजापुर जिला शामिल है, उज्जैन से मुख्यमंत्री मोहन यादव स्वयं आते हैं इसलिए उज्जैन जिले से किसी के मंत्री बनने की संभावना बहुत कम है. इंदौर जिले से तुलसी सिलावट एवं कैलाश विजयवर्गीय पूर्व से ही कद्दावर पद पर बने हुए हैं. अब निगाह टिकती है देवास जिले पर.

देवास जिले में आशीष शर्मा लगातार तीसरी बार जीतकर संगठन की निगाह में स्वच्छ छवि वाले नेता बने हैं. बागली विधायक मुरली भंवरा भी पहले ही कार्यकाल में शिक्षा बोर्ड समिति में शामिल कर लिए गए हैं. देवास की बात आती है तो राज परिवार कुछ वर्ष कानूनी विवादों में उलझ गया था तभी से संगठन भी नहीं चाहता था उन्हें कोई ऊंचा पद देना. परिस्थितिया बदलने के साथ अब देवास को मंत्री पद मिलने की उम्मीद बंधी है. चर्चा में इसके लिए आशीष शर्मा, गायत्री राजे पवार के नाम प्रमुखता से लिए जा रहे हैं.

राजनीतिक दल गुटबाजी को लेकर बेबस

अंचल में इंदौर के बाद बुरहानपुर ऐसा जिला है जहां दोनों मुख्य राजनीतिक दल गुटबाजी को लेकर बेबस हैं. यहां भाजपा और कांग्रेस संगठन को मजबूत करने में जुटे हैं, इसी के साथ गुटबाजी का विस्तार और आक्रामकता बढ़ गई है. नतीजा यह है कि पार्टी के एजेंडे और अभियानों से कई पुराने नेताओं द्वारा दूरियां बनाई जाने लगी है. कांग्रेस में जिलाध्यक्ष रिंकू टॉक, पूर्व विधायक ठाकुर सुरेंद्रसिंह शेरा भैया , पूर्व अध्यक्ष अजयसिंह रघुवंशी, नवनियुक्त कांग्रेस अध्यक्ष रविंद्र महाजन गुटों में लाख कोशिशों के बावजूद पटरी नहीं बैठ रही. इससे यहां कांग्रेस दिशाहीन नजर आ रही है. भाजपा का भी यही हाल है, परंतु अनुशासन की तलवार तले नेता कम से कम पार्टी के विशेष कार्यक्रमों में सभी एक साथ शिरकत करते रहे हैं. अन्यथा भाजपा में सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल, नेपा विधायक मंजू दादू, पूर्व मंत्री व प्रदेश भाजपा प्रवक्ता विधायक श्रीमती अर्चना चिटनिस गुट का अपनी ढपली अपना राग अक्सर दिखाई देता है. इन दिनों चिटनीस-दादू में जोरदार खींचतान चल रही है. मामला विधान सभा क्षेत्र को लेकर है. नेपा विधायक मंजू दादू द्वारा बुरहानपुर विधानसभा क्षेत्र के मामलों को विधानसभा में उठाने और अधिकारियों की शिकायत से अर्चना चिटनीस नाराज बताई जा रही हैं.

क्या करेगी अनुशासन समिति

तराना विधायक महेश परमार को बिना उनके दावा किए जिला अध्यक्ष बना दिया गया. उज्जैन ग्रामीण अध्यक्ष घोषणा से नाराज कांग्रेस के एक गुट द्वारा नगर में आयोजित सचिन पायलट की किसान न्याय यात्रा का बहिष्कार कर अपनी अलग रैली निकालने से सामानान्तर कांग्रेस चलाने के आरोप में 50 से अधिक कार्यकर्ताओं पर अनुशासन भंग कार्रवाई का अंदेशा बना हुआ है. प्रदेश कांग्रेस की अनुशासन समिति ने उज्जैन के 50 कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं को कारण बताओ नोटिस जारी कर 15 दिन में जवाब मांगा था, जिसकी मियाद खत्म हो चुकी है. उल्लेखनीय है कि 12 सितंबर को आंदोलन में प्रदेश कांग्रेस सचिव हेमंत सिह चौहान ने अलग रैली निकाली थी. इस रैली में कांग्रेस से विधायक पद के प्रत्याशी रहे विक्की यादव, चेतन यादव, माया राजेश त्रिवेदी, पूर्व विधायक मुरली मोरवाल, राजेश बाथली सहित दर्जनों नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए थे. अब देखते हैं कि अनुशासन समिति इतने सारे कार्यकर्ताओं के खिलाफ कोई एक्शन लेती है या मामला ठंडे बस्ते में डालती है.

नक्सली पुनर्वास की नई योजना

माओवाद के बचे हुए प्रभाव को खत्म करने के लिए सरकार आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों के लिए पुनर्वास देने हेतु एक नई योजना पर काम कर रही है. आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों को समाज में सम्मान और शांतिपूर्ण जीवन का अवसर देने के लिए विशेष पुनर्वास योजनाएं लागू की गई हैं. वित्तीय और रोजगार सहायता में नकद प्रोत्साहन, वित्तीय सहायता, प्रशिक्षण और रोजगार के अवसर प्रदान किए जा रहे हैं. पुनर्वास के लाभ : आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों को मुख्यधारा में शामिल होने के लिए विशेष पुनर्वास योजनाएं लागू होंगी. उन्हें प्रशिक्षण, रोजगार के अवसर, घर और खेती के लिए जमीन भी दी जाएगी. सरकार के लिए यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों को पुनर्वास नीति का लाभ शीघ्र मिले और उन्हें आवश्यक प्रशिक्षण देकर रोजगार के साधन उपलब्ध कराए जाएं.

आत्मसमर्पण के बाद सुखद जीवन- आत्मसमर्पण के बाद के अनुभवों में एक सुखद पहलू यह भी है कि कई पूर्व माओवादी अब शांतिपूर्ण और सामान्य जीवन शुरू कर रहे हैं. इन लोगों को सामान्य जीवन जीने की चाह मुख्य धारा में खींच लाई है. कई आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों ने शादी कर ली है, उनके बच्चे हैं और शांतिपूर्ण जीवन जी रहे हैं. माओवाद के अंतिम चरण में होने के बावजूद कुछ चुनौतियां अब भी मौजूद हैं, जिन पर सरकार को ध्यान देना होगा. सोनू और रुपेश जैसे कुछ आत्मसमर्पण करने वाले माओवादी अभी भी अपने पूर्व जीवन से जुड़े हैं और उनका कहना है कि वह अभी भी आदिवासियों के अधिकारों के लिए संघर्ष करते रहेंगे.

ऐसे माओवादियों को मुख्यधारा में पूरी तरह से शामिल करने में चुनौतियां आ सकती हैं. माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं का अभाव सबसे बड़ी चुनौती है.

- एस. हनुमंत राव

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

सीएम के चेहरे पर एनडीए की चुप्पी युवा तेजस्वी की नीतीश को चुनौती

पड़ोसी ने हमसे कहा, निशानेबाज, क्या राजनीति को नेता की उम्र से जोड़ा जाना चाहिए? महागठबंधन की ओर से सीएम पद का चेहरा बनाए गए तेजस्वी यादव ने कहा कि मेरी उम्र 35 साल है और मेरा मुकाबला 74 साल के नीतीश कुमार से होगा या 75 साल के मोदी से?

हमने कहा, जवानी में जोश रहता है तो बुजुर्ग होने पर होश रहता है. नीतीश और प्रधानमंत्री मोदी के पास अनुभव की अमूल्य पूंजी है. कहावत है-साठा सो पाठा! 60 साल की उम्र होने पर व्यक्ति सठिया नहीं जाता, बल्कि काफी परिपक्व हो जाता है. बुजुर्ग नेताओं के पास एक से एक दांवपेंच होते हैं. महाराष्ट्र में शरद पवार लगभग 85 वर्ष के हैं लेकिन अब भी राजनीति में सक्रियता बनाए हुए हैं. बीजेपी के पास भी मार्गदर्शन करने के लिए 2 ग्रैंड ओल्ड लीडर 96 वर्षीय लालकृष्ण आडवाणी और 90 वर्ष के डॉ. मुरलीमनोहर जोशी हैं. पुराने चावल और पुरानी शराब के समान पुराने नेता की अहमियत भी बढ़ जाती है. मोरारजी देसाई 80 वर्ष की आयु में जनता पार्टी सरकार के प्रधानमंत्री बने थे. राणा सांगा ने 80 वर्ष की उम्र में इब्राहिम लोदी से युद्ध किया था. भीष्म पितामह और द्रोणाचार्य जैसे वयोवृद्ध सेनापति महाभारत युद्ध में लड़े थे इसलिए उम्र सिर्फ एक आंकड़ा है. कहते हैं एज इज जस्ट ए नंबर!

पड़ोसी ने कहा, निशानेबाज, व्यर्थ की दलीलें मत दीजिए. बढ़ती उम्र का असर व्यक्ति के स्वास्थ्य और दिमाग पर पड़ता है. नीतीश कुमार भुलक्कड़ हो गए हैं और अटपटा व्यवहार करने लगे हैं. 16 वर्ष का वीर अभिमन्यु कौरवों पर भारी पड़ गया था. सेना का जवान 18 वर्ष की आयु में भर्ती होने के बाद 35 वर्ष की उम्र में रिटायर हो जाता है. क्रिकेट में भी चुस्त और चपल युवा खिलाड़ी अपना कमाल दिखाते हैं. अब जमाना शुभमन गिल का है. राजनीति में भी ऐसे ही बदलाव होते रहने चाहिए. पुराने नेता नए नेतृत्व के लिए स्थान बनाएं.

हमने कहा, राजनीति में ऐसा नहीं होता. अमेरिका में जॉन एफ केनेडी, बिल क्लिंटन व बराक ओबामा का अपवाद छोड़ दें तो बाइडेन और ट्रंप दोनों ही बुजुर्ग राष्ट्रपति की श्रेणी में आते हैं.

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12063 - डॉ. सागर खादीवाला

बाएं से दाएं

1. किसी कड़ी वस्तु के टूटने का शब्द, उपवास 3. जलयात्रा, नदी समुद्र आदि के मार्ग से यात्रा करना (सं.) 6. कभी-कभी, जब-तब 8. रोगी की सेवा (उर्दू) 10. संपूर्ण, समस्त 11. पतली धज्जी, जूते का लेस 12. बाप दादा आदि जो पहले गए हों, पूर्व पुरुष, पुरखा 13. वचन, इकरार (उर्दू) 14. आश्चर्य, विस्मय 16. कोमल, लचीला, धीमा 18. प्रतिदिन, सदा, नित्य 20. कंठ, गर्दन, कंठ का स्वर 22. शिव 23. परीक्षा, गुण-दोषों की ठीक जांच, पहचान

ऊपर से नीचे

1. किसी धनराशि या मद से कुछ काटलेना 2. भीरूपन, डरपोक होने का भाव 3. वह पद जिसके लिए कोई वेतन मिलता हो, नौकर का पेशा 4. एक प्राचीन अस्त्र का नाम, कसरत के सामानों में से एक 5. महादेव, कृष्ण 7. पिता का पिता, बड़ा भाई 9. जिसको माफी की भूमि मिली हो 10. सब लोगों से संबंध रखने वाला, सबके काम में आने वाला 12. नदी या समुद्र के जल की बाढ़ 13. बंदर 15. पहिया, पहिए के आकार का एक अस्त्र, कुम्हार का चाक (सं.) 17. मकर या घड़ियाल नामक जल-जंतु, लेकिन, परंतु, पर 19. दया, रहम 21. सौ हजार, एक प्रकार का प्रसिद्ध लाल पदार्थ 22. अनिष्ट का भय, डर (सं.)

Solution 12062

आ	म्यो	ह	न		प्र	भा	त
दे		जा	ग	र	ण		र
त	मा	म		का	य	ना	त
	म	त	ल	ब		का	रा
ग	ला		गा		मा		ना
फ		क	न	ख	जू	रा	
ल	द	ना		जा	न	व	र
त	म	त	मा	ना		ल	ब

ज्योतिषाचार्य प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में वाहन का सुख मिलेगा, शिक्षा प्रतियोगिता में सफलता के योग हैं, कार्यक्षेत्र में वृद्धि होगी, वर्ष के मध्य में दिनचर्या में व्यवधान आयेगा, पारिवारिक समस्या में व्यस्तता रहेगी, अधिकारी के कोप का सामना करना होगा, मन व्यथित रहेगा, वर्ष के अन्त में धार्मिक कार्यो में सफलता मिलेगी, संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी, स्थिति सुधरेगी.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को दिनचर्या में व्यवधान आयेगा, मन व्यथित रहेगा, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को वाहन का सुख मिलेगा, कर्क राशि के व्यक्तियों को धार्मिक कार्यो में सफलता मिलेगी, संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी, सिंह राशि के व्यक्तियों का मन परेशान रह सकता है, अधिकारी से मतभेद बढ़ेंगे, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को व्यवसायिक मामलों में स्थिति सामान्य रहेगी, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को शिक्षा आदि में लाभ होगा, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को पारिवारिक कार्यो में व्यस्तता रहेगी.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक बुद्धिमान, चतुर, भावुक, कल्पनाप्रिय, व्यवहार का कुशल होगा, इसकी शिक्षा अच्छी रहेगी, लेखन, अध्ययन, संगीत, काव्य में रूचि रहेगी, ये अच्छे विचारक एवं कलाकार होते हैं, समाज सेवा में इनकी अधिक रूचि रहेगी, राजनैतिक होगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

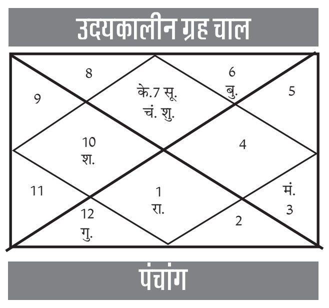

पंचांग

रा.मि. 06 संवत् 2082 कार्तिक शुक्ल सप्तमीं भौमवासरे रातअंत 4/29, पूर्वाषाढ़ नक्षत्रे दिन 12/37, धृति योगे रातअंत 5/34, गर करणे सू.उ. 6/25, सू.अ. 5/35, चन्द्रचार धनु शाम 6/55 से मकर, शु.रा. 9, 11,12,3,5,7 अ.रा. 10,1,2,4,6,8 शुभांक- 2,4,8.

व्यापार भविष्य

कार्तिक शुक्ल सप्तमीं को पूर्वाषाढ़ नक्षत्र के प्रभाव से सूत, कपास, गेहू, जौ, चना, सोना, चांदी, में तेजी होगी, गुड़, खांड, धनियां, के भाव में मंदी होगी, जूट पाट, बारदाना, पूर्ववत रहेंगे, भाग्यांक- 5642 है.

मेष- व्यापार से संबंधित कार्यो में सफलता का योग है, वाणी पर संयम रखें, नौकरी में परिश्रम अधिक करना पड़ेगा, मित्र वर्ग मदद करेंगे.

वृषभ- आकस्मिक धन लाभ होगा, परिचय क्षेत्र का विकास होगा, साहस पराक्रम बढ़ेगा, अतिथि आगमन का योग है, व्यय की अधिकता रहेगी.

मिथुन- तीखी बातों से अपनों को नाराज कर सकते हैं, कानूनी मामलों में धैर्य से काम लें, भाग्यवर्धक समाचार मिलेगा, आत्म विश्वास मनोबल बना रहेगा.

कर्क- सामाजिक कार्यक्रमों में शामिल होकर खुशी मिलेगी, संबंधों में मधुरता एवं प्रेम बढ़ेगा, आलस्य को त्यागें, कार्यो मेंबाधा उत्पन्न हो सकती है.

सिंह- विपरीत माहौल में खुद के लिये अनुकूलता बना लेंगे, कार्यक्षेत्र की उलझनें दूर होगी, पारिवारिक सुख समृद्धि रहेगी, व्यापार व्यवसाय लाभदायक रहेगा.

कन्या- बुजुर्गो के स्वास्थ्य की चिन्ता रहेगी, केरियर को लेकर दूर की यात्रा होगी, शुभ कार्यो में लाभदायक सफलता प्राप्त होगी, मनोकांक्षा की पूर्ति होगी.

तुला- धीमी गति से चल रही योजनाओं में नुकसान होगा, गुप्त शत्रुओं से सावधान रहें, रोगी की चिन्ता होगी, विशिष्टजनों का सहयोग रहेगा.

वृश्चिक- धर्म-कर्म में आस्था बढ़ेगी, कारोबारी दूर दराज की यात्रा हो सकती है, भौतिक सुख साधनों की प्राप्ति होगी, मित्रता उपयोगी रहेगी.

धनु- लाभ में संतोष मिलेगा, पुराने रूके कार्यो में सफलता के योग है आत्म विश्वास बढ़ेगा, धैर्य एवं साहस से कार्य बनेगा, परिश्रम अधिक करना पड़ सकता है.

मकर- मन की बात मित्रों से कह दें, इससे तनावकम होगा, पारिवारिक यात्रा संभव है,किया गया प्रयास सफल होगा, मित्रता लाभकारी रहेगी.

कुम्भ- तनाव में फैसला लेना मुश्किल होगा, व्यर्थ के कार्य परेशान कर सकते हैं, मनोरंजन, उत्सव एवं भ्रमण के अवसर मिलेंगे. पुराना पैसा मिलने का योग है.

मीन- धार्मिक आयोजन में शामिल होकर खुशी मिलेगी, अनुभवी लोगों का साथ सफलता दिलायेगा, जमीन, जायजाद संबंधी विवाद हल होगा. मनोरंजन आदि पर व्यय होगा.

SUDOKU 7195

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सु-डोकू 7194

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1